ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. NO.- 400-401

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16, YEAR- June -2020

रेलवे का विकास और उत्तर भारत पर प्रभाव

ममता पासवान
शोध अध्येत्री– इतिहास विभाग, दी.द.उ. गो. विवि. गोरखपुर (उ0प्र0), भारत

Received- 21.07.2020, Revised- 25.07.2020, Accepted - 27.07.2020 E-mail: - balajee.1974@gmail.com

सारांश : *राष्ट्र की जीवन रेखा कहीं जाने वाली भारतीय रेलवे व्यवस्था विश्व की बृहत रेलवे व्यवस्थाओं में से एक है। औपनिवेशिक काल में इससे "साम्राज्य के भीतर एक साम्राज्य" के रूप में संबोधित किया था।*

यह उक्ति इसके महत्व को रेखांकित करती है। वर्तमान में भारत सरकार का यह एकमात्र संगठन है जो अपने सभी देंयो, यथा, कर्मचारियों के वेतन भत्तों, पेंशन और अन्य खर्चों का भुगतान स्वयं करता है रेलवे को भी ब्रिटिश साम्राज्य की कतिपय देना गिना जा सकता है। परंतु अन्य तमाम क्षेत्रों के ही अनुरूप भारत में रेलवे के विकास पर ब्रिटिश सरकार तब तक ध्यान नहीं दिया, जब तक की तात्कालिन गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने इसके साम्राज्यवादी हितों को सरकार के समक्ष नहीं रखा। रेलवे निर्माण के प्रथम चरण (1850–1868ई0) में ब्रिटिश सरकार ने निजी कंपनियों को भारत में रेल मार्गों को बनाने का कार्य सौंपा और तीन कंपनियां–The East Indian railway company, The great Indian Pannisula railway company]The majras railway company भारत में आयी। 1853में सर्वप्रथम बंबई से थाने (21.75 मील) तक रेल मार्गों का निर्माण तथा रेल संचालन प्रारंभ हुआ। भारत में रेलवे के विकास के प्रथम चरण में 4016 मील लंबी रेल लाइनें बिछाई गई।

कुंजीभूत शब्द– राष्ट्र की जीवन रेखा, व्यवस्था, बृहत, औपनिवेशिक काल, साम्राज्य, संबोधित, वेतन भत्तों ।

रेलवे के विकास के द्वितीय चरण में(1869–1880 ई0) में सरकार ने रेल मार्गों को बिछाने का कार्य अपने हाथ में ले लिया। इस अवधि के दौरान 2105मील लंबी रेल लाइन बिछाई गई। तृतीय चरण (1880–1900 ई0) में सरकार ने रेल मार्गों के निर्माण का कार्य पुनः निजी कंपनियों को सौंप दिया। 1890 में ही प्रथम रेल अधिनियम द्वारा अधिकतम किराए की दरें निर्धारित की गई। चतुर्थ चरण (1900–1914) में रेलवे का विकास तीव्र गति से हुआ। 1901 की रॉबर्टसन समिति की सिफारिशों के द्वारा रेलवे बोर्ड स्थापित किया गया। 1914– 1918 ई0 के दौरान प्रथम विश्व युद्ध ने भारतीय रेल की प्रगति को अवरुद्ध कर दिया।

आंकबर्थ समिति की अनुशंसा के अनुरूप 1924 ई0 से रेलवे का बजट पृथक रूप से बनने लगा। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय रेलवे ने तीव्र गति से प्रगति की। इस समय रेलवे ने युद्ध सामग्रीढुलाई कर बेतहाशा लाभ कमाया, परंतु 1947 ई0 में देश के विभाजन से रेलवे को पुनः अवरोधों का सामना करना पड़ा। तब से लेकर वर्तमान समय तक रेलवे ने उतार–चढ़ाव के बावजूद उत्तरोत्तर प्रगति की है

रेलवे का विकास उत्तर भारत में आधुनिक परिवहन युग का आरंभ था।इसने भारत की आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का रूप प्रदान किया और देश के विभिन्न भागों को जोड़कर राष्ट्रीय भावना के विकास में भी योगदान दिया। रेलों में अभी भारतीय का एक साथ बैठना होता था फलस्वरूप भारत में सदियों से व्याप्त जाति प्रथा और अस्पृश्यता के बंधन ढीले हुए। रेलवे ने अकालो की आपदा के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने में भी महती भूमिका निभाई तथा साथ ही रोजगार के अवसर भी प्रदान किए।

भारत में रेंलो का विकास साम्राज्यवादी शोषक नीति का परिणाम होते हुए भी भारत के आर्थिक भविष्य एवं राष्ट्रीय भावना के लिए एक अमूल्य देन था।

रेलवे में शोध का उद्देश्य– वर्तमान समय में सामान्यतः क्षेत्रीय विषयों पर शोध करने का रुझान बढ़ा है। परंतु मेरा प्रस्तावित शोध संपूर्ण उत्तर भारत के संदर्भ में होगा। मेरे शोध विषय के दो उद्देश्य हैं, प्रथम, भारत में रेलवे के विकास और उत्तर भारत पर पड़े उसके युगांतर कारी प्रभावों के पूर्णसमय में किए गए अपूर्ण विश्लेष्णको पूर्ण करने का प्रयास करना। द्वितीय, भारत में हो रहे परिवर्तनों का अध्ययन करने के साथ–साथ रेलवे के आगामी पड़ने वाले प्रभावी तथा इसकी संभावनाओं की खोज करना है।

अध्ययन के स्रोत– इस शोध प्रबंध के लिए रेलवे के विकास से संबंधित प्राथमिक स्रोत (सरकारी दस्तावेजों अभिलेखों इत्यादि) सहित आधुनिक शोध निबंध तथा किताबों

अनुरूपी लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-I, Issues-16, YEAR- June -2020

इत्यादि सहित इससे संबंधित प्रारंभिक किताबों का भी द्वितीयक स्रोत के रूप में प्रयोग किया गया है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. government of India. रिपोर्ट ऑन दी रॉयल कमीशन इंडियन एग्रीकल्चर कोलकाता।
2. रिपोर्ट ऑफ दी इंडियन सेंट्रल बैंकिंग इंक्वायरी कमिटी कोलकाता, 1931।
3. रिपोर्ट ऑफदीइंडियन इरीगेशन कमीशन 1900, 03 वाल्यूम।
4. रिपोर्ट ऑफ दी इंडियन फेमिन कमीशन, 1898, शिमला, 1898।
5. प्राइस एंड वेजेस इन इंडियन 1900–01 से 1925–26 तक के वॉल्यूम।
6. गार्ड टूदीरिकॉर्ड इन नेशनल आकोइंज ऑफ इंडिया पार्टहोम डिपार्टमेंट मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स 1748–1957 नई दिल्ली।
7. गवर्नमेंट ऑफ इंडियापी0डब्ल्यू0डी0आर0सी0 अगस्त 1894 न0– 381–86।
8. गवर्नमेंट ऑफ इंडिया पी0डब्लू0डी0 रेलवे स्टेटिस्टिस्कस मार्च 1905–19 वी।
9. गवर्नमेंट आफ इंडिया पी0डब्ल्यू0डी0 रेलवे स्टेटिस्टिस्कस मार्च 1905–99–112।
10. गवर्नमेंट आप इंडिया पी0डब्ल्यू0डी0 रेलवे डिपार्टमेंट रेलवे बोर्ड इस्टैब्लिशमेंट एवं जुलाई 1920न0 1066ई0 20/1–3।

*****